आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 207 | उज्जैन, बुधवार 18 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

उज्जैन में रामायणकालीन लक्ष्मण बावड़ी को मिला नवजीवन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की पुनरुद्धार कार्य की सराहना

भोपाल। जल गंगा संवर्धन अभियान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पुरानी जल-संरचनाओं को फिर से उसी स्वरूप में लाने के लिए चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान ने उज्जैन की रामायणकालीन लक्ष्मण बावड़ी को नवजीवन के साथ पुरानी वैभव भी लौटाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस शानदार कार्य की सराहना की है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने उज्जैन प्रवास के दौरान चिंतामण स्थित लक्ष्मी बावड़ी पहुंचे थे और बावड़ी उत्सव में शामिल होकर जीर्णोद्धार कार्य की शुरूआत पूजन करके की थी।

उज्जैन में चिंतामण मंदिर स्थित लक्ष्मण बावड़ी का भी साफ-सफाई, रंगरोगन और पुनरुद्धार कार्य किया गया। प्राचीन लक्ष्मण बावड़ी एक अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पौराणिक स्थल है। इस बावड़ी का उल्लेख कई प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। जन आस्था के अनुसार इसके जल को पवित्र और चमत्कारी माना जाता रहा है। यह बावड़ी रामायण काल से आज तक उज्जैन की धरती पर स्थित है और स्थानीय जनआस्था का केन्द्र बनी रही है। लेकिन समय के साथ रखरखाव की कमी के चलते यह अपना मूल स्वरूप खो चुकी थी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लक्ष्मण बावड़ी में किए गए कार्य के बाद बावड़ी को पुनर्जीवन मिला। भागीरथी प्रयासों से आज यह प्राचीन बावड़ी फिर से अपने पौराणिक स्वरूप में लौट आई है और आस्था के केन्द्र के रूप में पुनः स्थापित हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं ÷बावड़ी उत्सव÷ के दौरान इसी स्थान पर पहुंचे, उन्होंने बावड़ी का निरीक्षण, पूजन किया और जल संरक्षण का संदेश भी दिया। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लाखों जल संरचनाओं को जीर्णोद्धार कर पुनर्जीवन प्रदान किया गया है।

लव... मैरिज और अपहरण, तमिलनाडु का वो मामला जिसमें हुई पुलिस वरिष्ठ अधिकारी की गिरफ्तारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक लव मैरिज विवाद अब हाई-प्रोफाइल आपराधिक केस बन चुका है। मामले में मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के बाद ADGP HM जयाराम को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके साथ ही अदालत ने विधायक और पुरात्वी भारतम पार्टी के प्रमुख पूवई जगन मूर्ति को भी जांच के लिए पुलिस के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। वहीं, विधायक की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जज ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि आप पुलिस जांच से क्यों डरते हैं? विधायक को रोल मॉडल होना चाहिए और कंगारू कोर्ट नहीं चलाना चाहिए।

जानिए क्या है पूरा मामला- पुलिस के अनुसार, मामला 22 वर्षीय एक व्यक्ति और एक युवती के बीच विवाह के से जुड़ा है, जिसके पिता वनराजा को यह विवाह पसंद नहीं था। वह चाहते थे कि यह विवाह ना हो इसके लिए वनराजा ने कथित तौर पर महेश्वरी से संपर्क किया। बता दें कि महेश्वरी एक पूर्व पुलिस कांस्टेबल है और जिसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। इसके बाद माहेश्वरी ने कथित तौर पर एडीजीपी जयराम से संपर्क किया, जिन्होंने विधायक जगन मूर्ति से मदद मांगी।

ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा को फिर जारी किया समन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंदन स्थित बंगले के मामले में ईडी मंगलवार को रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ करेगी। ईडी संजय भंडारी के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। आरोप है कि 12 ब्रायंस्टन स्क्वायर बंगला का असली मालिक वाड्रा है, जिसकी देखभाल का जिम्मेदारी संजय भंडारी के पास है।

ईडी के पास संजय भंडारी और उसके सहयोगियों के बीच बातचीत के ईमेल के साथ ही गवाहों और अन्य आरोपियों के बयान भी हैं, जिनसे इस आरोप की पुष्टि होती है। दो महीने पहले ईडी वाड्रा से गुरूग्राम में जमीन खरीदने में हुई मनी लॉन्ड्रिंग के सिलसिले में पूछताछ कर चुकी है।

इन मामलों में वाड्रा के खिलाफ जांच कर रही ईडी- इसके साथ ही बीकानेर जमीन खरीद घोटाले में भी ईडी वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार संजय भंडारी के ठिकानों पर 2016 में आयकर के छापे के दौरान लंदन स्थित बंगले की जानकारी मिली थी। छापे के तत्काल बाद संजय भंडारी लंदन भाग गया था और उसे वापस लाने की कोशिशें सफल नहीं हो सकी।

केरल में रॉयल नेवी का F-35B स्टील्थ फाइटर जेट अभी भी इमरेंजी लैंडिंग के बाद खड़ा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल नेवी का F-35B स्टील्थ फाइटर जेट 48 घंटे बाद भी केरल में ही खड़ा है। रविवार को इस लड़ाकू विमान की आपातकालीन लैंडिग हुई थी। खराब मौसम और ईंधन की कमी के कारण इस विमान की आपात लैंडिंग कराई गई थी।

दरअसल, ये विमान भारतीय एअर स्पेस के बाहर रूटीन उड़ान भर रहा था। इस दौरान विमान ने तिरुवनंतपुरम को पहले से ही आपात लैंडिंग एयरफील्ड के रूप में चुना था। इसके तुरंत बाद इंडियन एअरफोर्स के आईएसीसीएस नेटवर्क ने उसको ट्रैक कर लिया, फिर पहचाना इसके बाद लैंडिंग की क्लियरेंस दी।

एअरपोर्ट पर खड़ा है F-35B- बता दें कि इमरजेंसी लैंडिंग के कुल 48 घंटे बाद भी ये पांचवीं जनरेशन का लड़ाकू विमान केरल के तिरुवनंतपुरम एअरपोर्ट पर खड़ा है। यहां पर इसकी जांच, मरम्मत और ईंधन भरने का काम लगभग पूरा किया जा चुका है। बताया जा रहा है कि कुछ समय बाद इस विमान को ब्रिटिश वॉरशिप एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स पर भेजा जा सकता है। भारतीय वायुसेना के अनुसार, स्न-35 सुरक्षित है। इसको ठीक करने का काम जारी है। जल्द ही यह उड़ान भर सकेगा। बता दें कि भारत की इस काम के लिए वैश्विक स्तर पर सराहना हो रही है।

यूपीएस पर विचार के लिए वित्त विभाग ने बनाई पांच सदस्यीय समिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के संदर्भ में निर्णय लेने के लिए वित्त विभाग ने पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। विशेष सचिव मुकेश कुमार लाल की अध्यक्षता वाली यह समिति केंद्र सहित और दूसरे राज्यों में लागू यूपीएस का अध्ययन करके दो माह के भीतर अपनी रिपोर्ट वित्त विभाग को सौंपगी। उसके बाद बिहार में इसे लागू करने पर अंतिम निर्णय होगा।

अगर सरकार इसके पक्ष में निर्णय लेती है तो बिहार के सरकारी सेवकों के लिए केंद्र की तरह नई पेंशन योजना (एनपीएस) का एक विकल्प यूपीएस भी होगा। केंद्र में इस वर्ष एक अप्रैल से यूपीएस प्रभावी हो चुका है। उसके बाद केंद्र सरकार ने राज्यों से इसे लागू करने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि पेंशन योजना के मामले में बिहार देर-सबेर केंद्र का अनुकरण करता है। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के स्थानापन्न एनपीएस इसका प्रमाण है।

समिति का स्वरूप- अध्यक्षता विशेष सचिव मुकेश कुमार लाल करेंगे। संयुक्त आयुक्त अजय कुमार ठाकुर और ब्रजेश कुमार तथा वरीय कोषागार अधिकारी नील कमल और प्रेम पुष्प कुमार समिति के सदस्य बनाए गए हैं।

अंतर और विशेषता- एनपीएस की तुलना में यूपीएस में जोखिम कम है। वर्तमान आर्थिकी बताती है कि जहां ज्यादा जोखिम है, वहां रिटर्न की संभावना भी अधिक होती है। हालांकि, वह तयशुदा नहीं होती।

हरियाणा सरकार की सख्ती, एक झटके में 70 हजार से ज्यादा लोगों का BPL कार्ड से कटा नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्य सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने गलत तरीके से बनवाए गए बीपीएल व एएवाइ कार्डों को काटना शुरू कर दिया है। जिले में जून में 70 हजार से अधिक अपात्र लोगों को बीपीएल सूची से बाहर कर दिया गया।

इनमें अधिकतर लोग ऐसे हैं जिनके पास पर्याप्त संसाधन है, जिसके बावजूद वे बीपीएल का लाभ ले रहे थे। विभाग की अभी जांच जारी है। निकट भविष्य में बीपीएल सूची से और भी अपात्र लोग बाहर हो सकते हैं।

अमित शाह का राज्यों से आपदा प्रबंधन योजनाएं बनाने का आह्वान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सभी राज्यों के राहत आयुक्तों से 90 दिन में अपने राज्य के हर जिले की आपदा प्रबंधन योजना बनाने का आह्वान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि हीट वेव से निपटने के लिए एक एक्शन प्लान बने, जिसका टाइमटेबल हीट के अनुभव के आधार पर बनाया जाए।

पर्यावरण संरक्षण के बिना शत-प्रतिशत आपदा से बचना असंभव है। अगर हम पर्यावरण की चिंता नहीं करेंगे तो आपदाओं को रोक नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ और एनडीएमए द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के कारण भारत आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बन गया है।

हमारी अप्रोच में आया परिवर्तन- अमित शाह ने कहा कि आपदा प्रबंधन को लेकर हमारी अप्रोच में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। पहले राहत-केंद्रित अप्रोच होती थी, लेकिन आज हमने जीरो कैजुअल्टी को सफलता के साथ प्राप्त कर लिया है।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों और आपदा प्रतिक्रिया बलों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि आने वाले समय की आपदाओं की संभावनाओं को भांपकर एडवांस में ही उसके लिए रिसर्च करना, दुनियाभर में इस क्षेत्र में मौजूद अलग-अलग विचारों को संकलित करना और अपने देश की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए देश के अनुकूल बनाकर इसे लागू करना बहुत महत्वपूर्ण है।

बताया 10 सालों का प्लान- उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आपदा के प्रति प्रयासों को रिएक्टिव की जगह प्रोएक्टिव बनाया है और जनभागीदारी को बढ़ाया है। आने वाले 10 साल में देश का हर युवा मदद की भावना के साथ आपदाओं से लड़ने के लिए तैयार होगा।

इस अवसर पर शाह ने देश की आपदा प्रबंधन एजेंसियों की गति और सटीकता में सुधार के लिए तीन प्रमुख तकनीकी प्लेटफार्म- आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए एकीकृत नियंत्रण कक्ष, आपातकालीन प्रबंधन लाइट 2.0 के लिए राष्ट्रीय डाटाबेस (एनडीईएम लाइट 2.0) और असम के बाढ़ खतरा क्षेत्रीयकरण एटलस भी लांच किए।

उन्होंने कहा कि जब भी भारत के डिजास्टर रिस्पांस का इतिहास लिखा जाएगा, तो मोदी सरकार के ये 10 वर्ष परिवर्तनकारी दशक के रूप में दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में क्षमता, गति, दक्षता और सटीकता के चारों क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं।

अमित शाह ने क्या कहा- उन्होंने कहा कि हमने न सिर्फ क्षमता को बढ़ाया, बल्कि उसे संवर्धित कर तहसील तक पहुंचाने का काम किया। शाह ने कहा कि हमने गति का भी ध्यान रखा है क्योंकि समय पर आपदा से लोगों को बचाना सबसे महत्वपूर्ण होता है।

फोर्डो को मिटाने के लिए क्यों बेताब है अमेरिका और इजरायल?

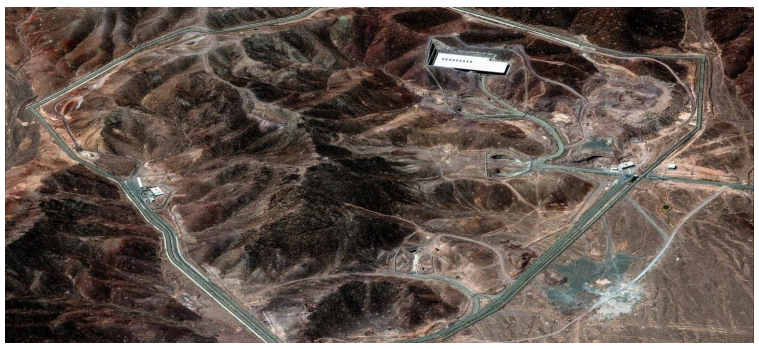

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल का लक्ष्य है कि ईरान को किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोका जाए। इजरायल ने ईरान के नतांज और इस्फहान में मौजूद यूरेनियम संवर्धन को नुकसान पहुंचाया है।

हालांकि, इजरायल को मालूम है कि अगर ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है तो तेहरान से 125 किलोमीटर दूर पहाड़ से करीब 300 फीट की गहराई पर बने फोर्डो फ्यूल इनरिटचमेंट प्लांट को तबाह करना होगा। इसे ईरान का मॉउंट डूम भी कहा जाता है। लेकिन फोर्डो फ्यूल इनरिटचमेंट प्लांट पर हमला करना इतना आसाम काम नहीं है।

क्या फोर्डो न्यूक्लियर प्लांट पर हमला कर सकता है अमेरिका- फोर्डो फ्यूल इनरिटचमेंट प्लांट पर हमला करने के लिए इजरायल को पूरी रणनीति के साथ सैन्य कार्रवाई को अंजाम देना होगा। इस कार्रवाई में गलती की गुंजाइश न के बराबर हो। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जी शिखर सम्मेलन से पहले निकलते हुए कहा है कि कुछ बड़ा होने वाला है। आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका ईरान के फोर्डो फ्यूल इनरिटचमेंट प्लांट पर हमला कर सकता है। ईरान को डर है कि अमेरिका या इजरायल इस जगह को निशाना बना सकता है। इसलिए ईरान ने प्लांट के करीब रूसी एस-300 एअर डिफेंस सिस्टम इंस्टॉल कर रखा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस संयंत्र में अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम (-235) का उत्पादन किया जा रहा है, दो परमाणु बम बनाने के लिए काफी अहम है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी पुष्टि की है कि फोर्डो अब तक इजरायली हमलों से सुरक्षित है।

ईरान में कमांडो उतार सकता है इजरायल

वहीं, इजरायली अधिकारियों का मानना है कि जब तक फोर्डो न्यूक्लियर प्लांट को तबाह नहीं किया जाता है तब तक ऑपरेशन राइजिंग लायन सफल नहीं है। अमेरिका में इजरायली राजदूत येचिएल लीटर ने माना है कि पूरा ऑपरेशन वास्तव में फोर्डो के खात्मे के साथ पूरा होना चाहिए।

लेकिन इजरायल अगर फोर्डो न्यूक्लियर प्लांट को तबाह करना चाहता है तो उसे एक पहाड़ को तबाह करने जैसे हमला करना पड़ेगा। आशंका ये भी जताई जा रही है इजरायली कमांडो ईरान की धरती पर उतर सकते हैं। हालांकि, क्या इजरायली कमांडो फोर्डो न्यूक्लियर प्लांट के आस-पास उतरेंगे या नहीं, यह एक बड़ा सवाल है।

इजरायल-ईरान संघर्ष के बीच अमेरिका ने दी कठोर प्रतिक्रिया की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच पिछले पांच दिन से संघर्ष जारी है। मिडल ईस्ट में तनाव की स्थिति को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जी-7 समिट को बीच में छोड़ा और वह वहां से वाशिंगटन लौट गए।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के साथ परमाणु समस्या का वास्तविक अंत चाहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि इस्लामिक गणराज्य से मिलने के लिए वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों को भेज सकते हैं।

फिर अमेरिका देगा कठोर प्रतिक्रिया- टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा से वापस वाशिंगटन लौटते समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया कि किसी भी प्रकार की शांति वार्ता के मूड में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने उकसाया तो अमेरिका और भी कठोर प्रतिक्रिया देगा। ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि हम इतनी सख्ती से हमला करेंगे कि दस्ताने भी उतारने पड़ेंगे।

वहीं, अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर ट्रंप ने लिखा कि मैंने किसी भी प्रकार के शांति वार्ता आकार के लिए ईरान संपर्क नहीं किया। ट्रंप ने आगे लिखा कि उन्हें (ईरान) समझौते को स्वीकार कर लेना चाहिए जो मेज पर रखा था, इससे कई सारे जीवन बच सकते थे।

तेहरान पर लगातार हमले कर रहा इजरायल- डोनाल्ड ट्रंप की ये टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब इजरायल और ईरान में संघर्ष अपने चरम पर है। ईरान की राजधानी तेहरान में दहशत के संकेत दिख रहे हैं। इजरायली हवाई हमलों के बाद ईरान में गैस स्टेशनों पर लंबी लाइनें लगी हैं। ईरान का ऐतिहासिक ग्रैंड बाजार बंद है और हजारों लोग कथित तौर पर कैस्पियन सागर की ओर पश्चिम की ओर भाग रहे हैं। हालांकि, ध्यान देने वाली बात है कि ईरान में आधिकारिक तौर से किसी भी प्रकार की निकासी का आदेश नहीं जारी किया गया है।

कमांडर जनरल अली शादमानी की हत्या का दावा - डोनाल्ड ट्रंप की ये टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब इजरायल और ईरान में संघर्ष अपने चरम पर है। ईरान की राजधानी तेहरान में दहशत के संकेत दिख रहे हैं।

जी7 ने ईरान को पश्चिमी एशिया में अस्थिरता फैलाने का जिम्मेदार ठहराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की सात ताकतवर मुल्कों के समूह जी-7 ने ईरान के साथ संघर्ष में इजरायल के लिए अपना समर्थन जाहिर किया है। जी-7 देशों ने अपने बयान में साफ कहा कि वह इजरायल के साथ खड़े हैं। उन्होंने ईरान को पश्चिमी एशिया में अस्थिरता फैलाने का जिम्मेदार ठहराया।

बयान में इलाके में अमन और स्थायी हल की जरूरत पर जोर दिया गया। जी-7 से साफ कर दिया है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं रख सकता है।

जी-7 में चीन को लाने के लिए ट्रंप ने की वकालत- जी-7 समिट के दौरान ट्रंप ने ग्रुप की अहमियत को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि 2014 में रूस को जी-7 से निकालना गलत था, जिससे दुनिया अस्थिर हुई। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि चीन को जी-7 में शामिल करना चाहिए।

इजराइल-ईरान संघर्ष को पांच दिन हो गए। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इजराइली हमलों में मरने वालों की कुल तादाद करीब 224 हो गई है। वहीं ईरानी हमले में तेल अवीव, हाइफा और पेटाह टिकवा को भारी नुकसान पहुंचा है।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों पर ट्रंप ने की तीखी टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा में जी-7 समिट को बीच में छोड़कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका रवाना हो गए। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि वह इजरायल ईरान के बीच संघर्ष विराम की बातचीत को लेकर वापस वॉशिंगटन लौट गए हैं। लेकिन उन्होंने ऐसे किसी भी कयास को अफवाह बताया है और इसके लिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को भी बुरा-भला सुना दिया है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर पोस्ट कर लिखा, पब्लिसिटी की चाहत रखने वाले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गलती से कहा कि मैं कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन छोड़कर वापस वॉशिंगटन डी.सी. जा रहा हूं ताकि इजरायल और ईरान के बीच युद्ध विराम पर काम कर सकूं। गलत!

जी-7 को लेकर ट्रंप के मन में क्या है- ट्रंप ने जी-7 समिट के दौरान ग्रुप की अहमियत को लेकर भी सवाल खड़े किए।

जी-7 समिट के दौरान ट्रंप ने ग्रुप की अहमियत को लेकर भी सवाल खड़े किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा में चल रहे जी-7 सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सबको चौंका दिया। दरअसल वह बीच में ही सम्मेलन छोड़कर अमेरिका लौट गए। उन्होंने ऐसा तब किया है जब ईरान और इजरायल के बीच तनाव अपने चरम पर है।

जी-7 समिट के दौरान ट्रंप ने ग्रुप की अहमियत को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि 2014 में रूस को जी-7 से निकालना गलत था, जिससे दुनिया अस्थिर हुई। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि चीन को जी-7 में शामिल करना चाहिए।

पीएम मोदी ने नहीं हो सकी मुलाकात

जी-7 में हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी भी कनाडा पहुंचे हैं। इस साल जी-7 की मेजबानी कनाडा कर रहा है। बता दें पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात नहीं हो सकी क्योंकि पीएम मोदी के पहुंचने से पहले ही ट्रंप अमेरिका के लिए रवाना हो चुके थे।

ईरान को ट्रंप की चेतावनी- ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी कि उसे तुरंत अपनी परमाणु हथियारों की महत्वाकांक्षा छोड़ देनी चाहिए, वरना हालात और बिगड़ सकते हैं। उन्होंने तेहरान को फौरन खाली करने की सलाह भी दी।

ट्रंप ने ट्रूथ अकाउंट पर पोस्ट कर लिखा, ÷ईरान को अपनी परमाणु योजनाओं पर लगाम लगानी होगी, वरना बहुत देर हो जाएगी।÷ उन्होंने यह भी जिक्र किया कि ईरानी नेता बातचीत करना चाहते हैं मगर पिछले 60 दिनों में कोई समझौता नहीं हो सका, जिसके बाद इजरायल ने चार दिन पहले ईरान पर हवाई हमले शुरू किए।

इजरायल ने ईरान के मेजर अली शादमानी को एक हवाई हमले में मार दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष गहराता जा रहा है। इस बीच इजरायली सेना ने ईरानी मेजर जनरल अली शादमानी को एक हवाई हमले में मार दिया। उसने चार दिन पहले ही पद संभाला था।

शादमानी को मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह पर नियुक्त किया गया था। इजरायली सेना ने मेजर जनरल राशिद को शुक्रवार को ईरान के खिलाफ शुरुआती हमलों में मार गिराया था।

पद संभालने के चौथे दिन काम तमाम- टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक, मेजर जनरल अली शादमानी ने करीब चार दिनों तक खतम-अल अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर का नेतृत्व किया। इस विभाग को ईरान के मिलिट्री इमरजेंसी कमांड के तौर पर जाना जाता है। शादमानी ने मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह ली थी। राशिद शुक्रवार को ईरान के खिलाफ इजरायल के शुरुआती हमलों में मारा गया था।

खामेनेई का करीबी था शादमानी- इजरायली डिफेंस फोर्स का कहना है कि मेजर जनरल शादमानी ईरान का सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर और वॉर चीफ था। उसे ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई का सबसे करीबी सैन्य व्यक्ति माना जाता था। आईडीएफ का कहना है, ÷शादमानी ने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और ईरानी सशस्त्र बलों दोनों की कमान संभाल रखी थी।

इजरायली ने ईरान के सरकारी टीवी चैनल IRIB को निशाना बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान की राजधानी तेहरान में सोमवार शाम इजरायल ने बड़ा हवाई हमला किया। इस हमले में ईरान के सरकारी टीवी चैनल IRIB मेन बिल्डिंग को निशाना बनाया गया। विस्फोट के बाद टीवी प्रसारण बीच में ही बंद हो गया। इमारत में आग लग गई और धुएं का गुबार फैल गया। यह हमला तब हुआ जब एक महिला एंकर सहर इमामी लाइव टीवी पर खबर पढ़ रहीं थीं।

हमले के बाद एंकर सहर का वीडियो तेजी से वायरल हुआ। जैसे ही हमला हुआ स्टूडियो में धुआं और मलबा भर गया। इसके बावजूद सहर ने थोड़ी देर बाद फिर से लाइव आकर प्रसारण जारी रखा। इस दौरान उनके चेहरे पर जरा-सा भी शिकन नहीं दिख रहा था। सहर के जज्बे को लेकर सोशल मीडिया पर उनकी खूब तारीफ हो रही है।

ईरान की आवाज बनकर उभरी सहर- ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के आधिकारिक एक्स अकाउंट से भी सहर इमामी को तारीफ मिली है। सुप्रीम लीडर ने लिखा, ये है ईरान की आवाज।

ईरान की महिला और परिवार मामलों की उपराष्ट्रपति जहरा बेहरूज अजार ने एक्स पर सहर इमामी की तारीफ में पोस्ट लिखा है। उन्होंने लिखा कि वे (सहर) महिलाओं की बहादुरी की प्रतीक हैं। इसके साथ ही आजर ने लिखा कि सहर इस वक्त दुनिया के सामने ईरानी नागरिकों की आवाज बन गई हैं।

तकनीकी खराबी के कारण एअर इंडिया की कई अंतरराष्ट्रीय विमान रद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार का दिन एअर इंडिया के लिए काफी तनाव भरा रहा। आज एअर इंडिया की कई अंतरराष्ट्रीय उड़ाने रद करनी पड़ी, जिससे यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली से पेरिस, अहमदाबाद से लंदन के अलावा कई अन्य देशों की तरफ जाने वाली उड़ानों को तकनीकी खामी के कारण रद करना पड़ा है।

दिल्ली से पेरिस जाने वाली AI की उड़ान रद- मंगलवार को दिल्ली से पेरिस जाने वाली AI 143 की उड़ान को रद करना पड़ा। एअरलाइन कंपनी ने एक बयान में कहा कि अनिवार्य उड़ान-पूर्व जांच में समस्या आने के कारण AI 143 को रद करने का फैसला किया गया है। इसके साथ ही बुधवार को पेरिस से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली एअर इंडिया की वापसी सेवा AI 142 को भी रद किया गया है।

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, एअर इंडिया ने इस संबंध में एक बयान जारी किया है। एअरलाइन कंपनी ने कहा कि हमें अपने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद है और हम वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे हैं... हम होटल में आवास उपलब्ध करा रहे हैं और यात्रियों द्वारा विकल्प दिए जाने पर रद्दीकरण या मानार्थ पुनर्निर्धारण पर पूर्ण धन वापसी की पेशकश भी कर रहे हैं।

अहमदाबाद - लंदन एअर इंडिया की फ्लाइट भी रद

वहीं, अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एअर इंडिया का एक और विमान चर्चा में तब आया, जब उड़ान भरने से पहले उसको रद कर दिया गया। मंगलवार को एअर इंडिया की फ्लाइट AI 159, बोइंग 788 को रद कर दिया गया है। यह विमान आज दोपहर 1:10 बजे अहमदाबाद से उड़ान भरने वाला था, मगर अचानक फ्लाइट कैंसिल करने की घोषणा कर दी गई।

भारत बना दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आयातक देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुद्ध का देश भारत हमेशा शांति में यकीन रखता है, लेकिन अपनी सामरिक सुरक्षा के लिए वह भय बिनु होय न प्रीत का भी पालन करता है। अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया अभियान के तहत आत्मनिर्भरता के साथ जरूरी रक्षा हथियारों की वह बेहिचक खरीद भी कर रहा है।

यही वजह है कि पिछले कई साल से रक्षा आयात के मामले में वह शीर्ष देशों में शुमार है। SIPRI की हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश है। भारत के इन्हीं प्रयासों का रौद्र रूप आपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखा।

SIPRI की रिपोर्ट- इंटरनेशनल सिक्यूरिटी थिंक टैंक स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार 2020-24 में यूक्रेन ने सबसे अधिक हथियारों का आयात किया। यूक्रेन ने 2015-19 की तुलना में लगभग 100 गुना अधिक हथियारों का आयात किया।

इनमें से अधिकतर हथियार सहायता के रूप में दिए गए हैं। यूक्रेन 2022 से रूस के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है। पश्चिमी देश उसे पूरी मदद दे रहे हैं।

विमान को नागपुर के डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोच्चि से दिल्ली जा रही एक विमान को बम की धमकी मिलने के बाद मंगलवार को नागपुर के डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, एयरलाइन अधिकारियों को विमान में बम रखे जाने की धमकी मिली थी। मानक प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विमान को डायवर्ट किया गया और नागपुर हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतारा गया।

अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला- नागपुर के डीसीपी लोहित मतानी ने कहा, बम की धमकी मिलने के बाद मस्कट-कोच्चि-दिल्ली से उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E 2706 को नागपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। सभी यात्रियों को उतार दिया गया है, जांच जारी है, अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

हाई अलर्ट पर एयरपोर्ट की सुरक्षा- बम डिटेक्शन और डिस्पोजल स्क्वॉड तुरंत मौके पर पहुंचा और गहन तलाशी अभियान शुरू किया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और विमान को निरीक्षण के लिए अलग कर दिया गया। एयरपोर्ट सुरक्षा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस फिलहाल हाई अलर्ट पर हैं और खतरे के स्रोत की जांच कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के कई इलाकों में बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में मौसम में बदलाव देखने को मिला है। दक्षिण भारत में एक बार फिर से बारिश का दौर शुरू है। कई जगहों पर रिकॉर्ड बारिश देखने को मिल रही है। वहीं, उत्तर भारत के कई राज्यों में अभी भी गर्मी का सितम देखने को मिल रहा है।

इस बीच मौसम विभाग ने राहत भरी खबर दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में दिल्ली समेत कई राज्यों में बारिश की संभावना है। वहीं, सोमवार को गुजरात और मुंबई में भारी बारिश देखने को मिली। जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

मुंबई में बारिश के कारण जलभराव- सोमवार को मुंबई के कई हिस्सों में भारी बारिश का दौर देखने को मिला। बारिश के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। वहीं, नवी मुंबई के कई इलाकों में भारी बारिश से रेलवे परिसर में जलभराव देखने को मिला जिससे लोगों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग एक बार महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने मुंबई में बारिश को लेकर ऑरेंज और पालघर में बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है।

गुजरात में बारिश से बिगड़े हालात- गुजरात में लगातार भारी बारिश के कारण हालात खराब हो गए हैं। कई जगहों पर बारिश के कारण जल जमाव की स्थिति है, जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस बीच राज्य के सीएम भूपेंद्र पटेल ने एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा कि सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के विभिन्न जिलों में भारी बारिश को देखते हुए जिला कलेक्टरों को नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा के लिए कदम उठाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ कर्नाटक में होगी रिलीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर अभिनेता कमल हासन की अपकमिंग फिल्म ठग लाइफ की रिलीजिंग को लेकर कर्नाटक में बवाल छिड़ गया है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट से राहत की खबर सामने आई है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य में फिल्म की रिलीजिंग को हरी झंडी दिखा दी है।

सुप्रीम कोर्ट में दो जजों की बेंच जस्टिस उज्जल भुयान और जस्टिस मनमोहन ने कहा आप लोगों के सिर पर बंदूक रखकर उन्हें फिल्म देखने से नहीं रोक सकते हैं। देश में कानून का शासन स्थापित होना चाहिए।

कर्नाटक सरकार को दिया 1 दिन का समय- सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार को फिल्म की रिलीजिंग से जुड़ी जानकारी देने के लिए 1 दिन का समय दिया है। अदालत का कहना है कि अगर किसी मूवी को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की मंजूरी मिल चुकी है तो उसे सभी राज्यों में रिलीज करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा - कमल हासन के विवादित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर कमल हासन ने कुछ अनुचित कहा है तो जरूरी नहीं है वो सच ही हो। कर्नाटक के लोगों को इसके बारे में सोचने दीजिए।

कर्नाटक हाईकोर्ट से जताई नाराजगी- सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले पर भी नाराजगी जताई है। हाईकोर्ट ने कमल हासन के माफीनामें को ठुकराते हुए उन्हें तगड़ी फटकार लगाई थी, जिसपर सर्वोच्च न्यायालय ने आपत्ति दर्ज की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, माफी मंगवाना आपका काम नहीं है।

कमल हासन का विवादित बयान- दरअसल कन्नड़ भाषा को लेकर कर्नाटक में विवाद छिड़ गया है। कमल हासन ने भी इसपर बयान दिया था। उन्होंने कहा था, कन्नड़ भाषा का जन्म तमिल से हुआ है। उनके इस बयान पर कई लोगों ने आपत्ति जताई और आखिर में कर्नाटक सरकार ने कमल हासन की फिल्म पर ही पाबंदी लगा दी।

5 जून को रिलीज हुई थी फिल्म- बता दें कि कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ 5 जून को ही पूरे भारत में रिलीज हो चुकी है। हालांकि कमल हासन के कन्नड़ भाषा पर दिए गए विवादित बयान के कारण कर्नाटक सरकार ने फिल्म की रिलीजिंग पर रोक लगा दी थी।

ऑक्सीजन मास्क और हाथों में गीले कपड़े बांधकर निकाली जलती लाशें

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया विमान दुर्घटना के बाद स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स के कर्मियों ने युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य किया।

जिस बीजे मेडिकल कॉलेज परिसर में विमान हादसाग्रस्त हुआ, वहां एसडीआरएफ के जवान ऑक्सीजन मास्क पहनकर इमारत में घुसे और अपने हाथों पर गीले कपड़े बांधकर जलते हुए लोगों और लाशों को बाहर निकालने का कार्य किया।

SDRF की रही महत्वपूर्ण भूमिका- एसडीआरएफ की एएसपी और राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की नोडल अधिकारी शीतल गुजर ने इन कर्मियों की बहादुरी को सराहा। उन्होंने कहा कि एसडीआरएफ ने इमारत के अंदर फंसे लोगों को निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा, हम आक्सीजन मास्क पहनकर अंदर गए। कई लोगों के हाथ और पैर जल गए, लेकिन उन्हें बचाने के लिए हमने अपने हाथों को गीले कपड़ों से बांधकर उन्हें आग से बाहर निकाला।

काफी अधिक था तापमान- गुजर ने कहा कि उस समय अंदर जाना और बचाव कार्य करना उनके लिए बहुत जोखिम भरा था, क्योंकि उस स्थान का तापमान बहुत अधिक था। अग्निशामक विभाग ने हमारी टीम को इमारत के अंदर जाने के लिए व्यवस्था की।

उन्होंने कहा कि हमने छात्रावास के अंदर से नागरिकों और छात्रों को निकाला। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हमने सभी पीड़ितों के शवों को भी बरामद किया। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और आगे होने वाले नुकसान को रोकना एसडीआरएफ की शीर्ष प्राथमिकता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

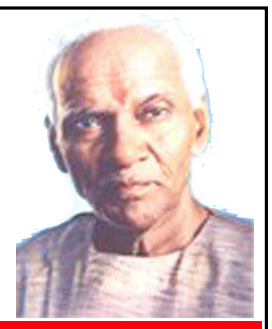

विक्रम संवत 2079 शुक्ल सप्तमी

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर वर्तमान समय में दो-दो देशों में बहुत लंबे समय से चल रहे युद्ध के पीछे चल रही ताकतों को सब जानते हैं

वैश्विक स्तरपर वर्तमान समय में दो दो देशों में बहुत लंबे समय से चल रहे युद्ध के पीछे चल रही ताकतों को सब जानते हैं, क्योंकि कोई भी देश क़े लिए सिर्फ अपने अकेले के बल पर इतनी ताकत से लंबी लड़ाई लड़ना संभव नहीं है, हालांकि सब जानते हैं कि इन युद्धों के पीछे कौन सी ताकत है खड़ी है? मेरा मानना है कि इन ताकतों को अपने स्टेटस को छोड़कर, दो-दो कदम आगे पीछे होकर मामला उलझा कर युद्ध विराम को प्राथमिकता देना जरूरी है,वरना किसी भी देश ने परमाणु वेपंस के इस्तेमाल की शुरुआत की तो लपेटेमें पूरी दुनियाँ आ जाएगी, जिसका परिणाम हिरोशिमा नागासाकी से भी भयंकर आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से इस आर्टिकल के माध्यम से पर्दे के पीछे सभी देशों, गुटों से अनुरोध करना चाहूंगा कि वह अंध समर्थन बंद कर सुलह का रास्ता निकालकर इजरायल- ईरान- हमास, रूस-यूक्रेन सहित अनेकों देशों में आपसी टकराव को सुलझाने के लिए आगे आए ताकि पूरी दुनियाँ एक जंग का अखाड़ा ना बन सके, क्योंकि कुछ देश खुलकर समर्थन में आ रहे हैं तो कुछ देशों ने पर्दे के पीछे समर्थन देकर लड़ाई करने वाले देशों को बढ़ावा दे रहे हैं, मेरा मानना है इसे बंद कर शांति की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। हमारे पीएम साहब भी हमेशा यही अपील करते रहते हैं। परमाणु वेपंस का उपयोग हुआ तो मेरे विचार से पूरी दुनियाँ दहल जाएगी। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, इजरायल ईरान सैन्य टकराव खतरनाक मोड़ पर पहुंच?दुनियाँ दो गुटों में बंटने की ओर बढ़ी, तीसरे विश्व युद्ध की आहट?

साथियों बात अगर हम इजरायल ईरान युद्ध की करें तो दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुकाहै,इजरायल और ईरान के बीच 13-14 जून 2025 को शुरू हुआ सैन्य टकराव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है, इजरायल की ओर से तेहरान में परमाणु सुविधाओं और सैन्य ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों ने ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया,जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल के तेल अवीव, हाइफा और बेन गुरियन एयरपोर्ट पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन हमले किए। इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष हर बीतते घंटे के साथ और बढ़ता जा रहा है,सोमवार देर शाम को इजरायल ने एक बार फिर मध्य ईरान पर हवाई हमले किए, इधर ईरान ने भी इजरायल पर अब तक लगभग 400 बैलेस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है, वहीं एक न्यूज से इजरायल के पीएम ने कहा है कि खामेनेई के खात्मे के साथ ही क्षेत्र में शांति आएगी। इजराइल और ईरान के बीच लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इजराइल ने सोमवार शाम सेंट्रल ईरान पर फिर से एयरस्ट्राइक की। इजराइल एयरफोर्स ने ईरानी की राजधानी तेहरान में नेशनल टीवी न्यूज चैनल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग की बिल्डिंग पर बम गिराए।घटना के समय टीवी एंकर लाइव शो होस्ट कर रही थी। वह बम धमाके में बाल-बाल बच गई। घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसमें एंकर को स्टूडियो से भागते हुए देखा गया।

साथियों बात अगर हम इजरायल -ईरान के भयावह होते युद्ध को हम 10 प्वाइंटों में समझने की करें तो (1) इजरायल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है और दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है,इजरायल ने ईरान पर बड़ा हमला किया, जिसमें ईरान के परमाणु ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया. ईरान ने इजरायल के हमले का जवाब देने के लिए ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस लॉन्च किया है, इसके तहत ईरान ने इजरायल पर 100 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, इजरायल की सेना ने अपने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सुरक्षित स्थानों पर शरण लें, (2) वहीं, रविवार को एक बार फिर इजरायल के आसमान में ईरानी मिसाइलों की बौछार हुई, जबकि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है।

अनुग्रह नारायण सिंह

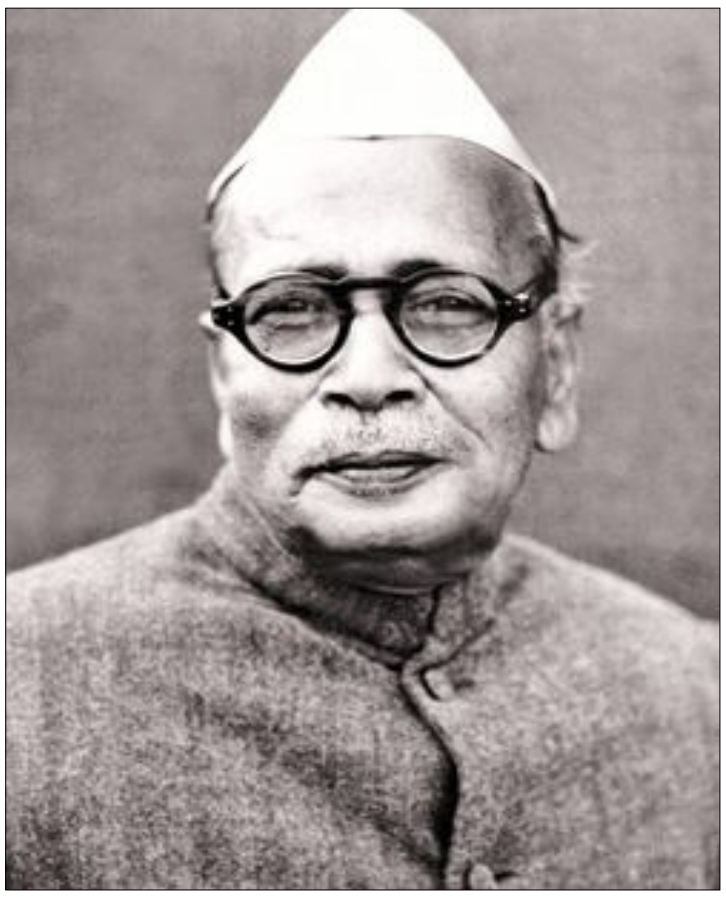

अनुग्रह नारायण सिंह भारतीय राजनेता और बिहार के पहले उप मुख्यमंत्री, सह वित्तमंत्री (1946-1957) थे। अनुग्रह बाबू (1887-1957) भारत के स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक, वकील, राजनीतिज्ञ तथा आधुनिक बिहार के निर्माता रहे थे। उन्हें बिहार विभूति के रूप में जाना जाता था। वह स्वाधीनता आंदोलन के योद्धा थे। स्वाधीनता के बाद राष्ट्र निर्माण व जनकल्याण के कार्यों में उन्होंने सक्रिय योगदान दिया। अनुग्रह बाबू ने महात्मा गांधी एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के साथ राष्ट्रीय आन्दोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी।

आधुनिक बिहार के निर्माता- डॉ. अनुग्रह नारायण सिन्हा मानवतावादी प्रगतिशील विचारक एवं दलितों के उत्थान के प्रबल समर्थक और आधुनिक बिहार के निर्माताओं में से एक थे। उनका जीवन दर्शन देश की अखंड स्वतंत्रता और नवनिर्माण की भावनाआ से सराबोर रहा। उनका सौभ्य, स्निग्ध, शीतल, परोपकारी, अहंकारहीन और दर्पोदीप्त शखसियत बिहार के जनगणमन पर अधिकार किए हुए था। वे शरीर से दुर्बल, कृषकाय थे, पर इस अर्थ में महाप्राण कोई संकट उनके ओठों की मुस्कुराहट नहीं छीन सका। उनमें शक्ति और शील एकाकार हो गये थे और इसीलिए वे बुद्धिजीवियों को विशेष प्रिय थे। बिहार के विकास में उनका योगदान अतुलनीय है। राज्य के प्रशासनिक ढांचा को तैयार करने का काम अनुग्रह बाबू ने किया था। इन्होंने राज्य के प्रथम उप मुख्यमंत्री और सह वित्तमंत्री के रूप में 11 वर्षों तक बिहार की अनवरत सेवा की।

प्रारंभिक जीवन

अनुग्रह बाबू का जन्म बिहार के पोईअवा नामक गांव में 18 जून, 1887 को हुआ था। उनके पिता ठाकुर विशेश्वर दयाल सिंह जी अपने इलाके के एक वीर पुरुष थे। पांच बसंत जब वे पार कर गये तो उनकी शिक्षा का श्रीगणेश हुआ। सन? 1900 में औरंगाबाद मिडिल स्कूल, 1904 में गया ज़िला स्कूल और 1908 में पटना कॉलेज में प्रविष्ट हुए। जिस समय ये पटना कॉलेज में आये, उस समय देश के शिक्षित व्यक्तियों के हृदय में परतंत्रता की वेदना का अनुभव होने लगा था। गुलामी की जंजीर में जक़डी हुई मानवता का चित्कार अब उन्हें सुनायी पड़ने लगा था। वे उस जंजीर को तोड़ फेंकने के लिए व्याकुल होने लगे थे। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी तथा योगिराज अरविंद जैसी महान् आत्माओं का प्रादुर्भाव हो चुका था। इन महान् आत्माओं के कार्यकलापों तथा व्याख्यानों का समुचित प्रभाव अनुग्रह बाबू के हृदय पर पड़ा। उनका हृदय भी भारत माता की सेवा के लिए तड़प उठा और वे उस पावन मार्ग पर अग्रसर हो गये। सर्फ़ूद्दीन के नेतृत्व में 'बिहारी छात्र सम्मेलन' नामक संस्था संगठित की गई, जिसमें देशरत्न डॉ. राजेन्द्र बाबू ऐसे मेधावी छात्रों को कार्य करने तथा नेतृत्व करने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनइन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध चम्पारण से अपना सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया था। अनुग्रह बाबू के हृदय में सेवा की उच्च भावना तो बाल्यकाल से ही था, उसे कार्य रूप में परिणत करने तथा उसे पूर्ण रूप से विकसित करने का सुअवसर भी उन्हें इस संगठन में प्रविष्ट होने पर मिल गया। सन? 1910 में आई ए की परीक्षा भी उन्होंने प्रथम श्रेणी में पास की फिर बीए में प्रवेश किया। उसी वर्ष महामना पोलक साहब जो महात्मा गांधी के सहकर्मी थे, पटना पधारे, अफ्रीका के प्रवासी भारतीयों के बारे में जो उनका व्याख्यान हुआ। उससे अनुग्रह बाबू बहुत प्रभावित हुए। उसी वर्ष प्रयाग में अखिल भारतीय कांग्रेस अधिवेशन हुआ, जिसमें वे अपनी उत्साही सहपाठियों के साथ गये। उस अधिवेशन में महामना गोखले आदि विद्वान् राष्ट्रभक्तों के भाषणों को सुनने का स्वर्ण अवसर भी इन्हें प्राप्त हुआ, जिससे वे बड़े प्रभावित हुए। अनुग्रह बाबू विद्यार्थी जीवन में ही संगठनशक्ति तथा कार्य संचालन की काबिलियत हासिल कर ली थी। सन? 1914 में इतिहास से एम.ए. करने के बाद 1915 में बी एल की परीक्षा में भी सफलता प्राप्त की। भागलपुर के तेजनारायण जुविल कॉलेज में इतिहास के एक प्रोफेसर की आवश्यकता हुई। अपने साथियों के परामर्श करने के पश्चात् तुरंत उन्होंने अपना आवेदन पत्र भेज दिया और उस पद पर उनकी नियुक्ति हो गई। वर्ष 1916 में उन्होंने कॉलेज की नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और पटना हाईकोर्ट में वकालत प्रारंभ कर दी। वकालत के सिलसिले में सरलता की मूर्ति देशरत्न राजेन्द्र बाबू के संसर्ग में अधिक रहने का सुअवसर भी इन्हें प्राप्त हुआ और उनसे पेशे को उन्नत करने की प्रेरणा भी मिली। कलकत्ते में भी उन्हें राजेन्द्र बाबू के सम्पर्क में रहने का स्वर्ण अवसर मिला था। जिस समय राजेन्द्र बाबू लॉ कॉलेज में अध्यापक थे, उसी समय उसी कॉलेज में वे एक विद्यार्थी थे। इसलिये वे राजेन्द्र बाबू की प्रतिष्ठा किया करते थे।

गांधीजी का सत्याग्रह

उन्हें वकालत करते हुए अभी एक वर्ष भी नहीं बीता था कि चम्पारण में नील आंदोलन उठ खड़ा हुआ। इस आंदोलन ने उनके जीवन की धारा ही बदल दी। चम्पारण के किसानों की तबाही का समाचार जब महात्मा गांधी से सुने तो वे करुणा से विचलित हो उठे।

मुजफ़्फ़रपुर के कमिश्नर की राय के विरुद्ध गांधीजी चम्पारण गये और जांच कार्य प्रारंभ कर दिया।

अत्याचारों की जांच प्रारंभ हुई। इसमें कुछ ऐसे वकीलों की आवश्यकता थी, जो निर्भीकता पूर्वक कार्य कर सकें और समय आने पर जेल जाने के लिए भी तैयार रहें। इस विकट कार्य के लिए वृज किशोर बाबू के प्रोत्साहन पर राजेन्द्र बाबू के साथ ही अनुग्रह बाबू भी तत्पर हो गये। उन्होंने इसकी तनिक भी चिंता नहीं की कि उनका पेशा नया है और उन्हें भारी क्षति उठानी पड़ सकती है। एक बार जो त्याग के मार्ग पर आगे बढ़ चुका है, उसे भला इन तुच्छ चीज़ों का क्या भय हो सकता है। चम्पारण का किसान आंदोलन 45 महीनों तक ज़ोर शोर से चलता रहा। अनुग्रह बाबू बराबर उसमें काम करते रहे और आखिर तक डटे रहे। स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का पाठ उन्हें गांधीजी के आश्रम में ही रहकर पढ़ने का सुअवसर प्राप्त हुआ। अनुग्रह बाबू ने चम्पारण के नील आंदोलन में गांधीजी के साथ लगन और निर्भीकता के साथ काम किया और आंदोलन को सफल बनाकर उनके आदेशानुसार 1917 में पटना आये। बापू के साथ रहने से उन्हें जो आत्मिक बल प्राप्त हुआ, वही इनके जीवन का संबल बना। सन? 1920 के दिसंबर में नागपुर में कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन हुआ, जिसमें अनुग्रह बाबू ने भी भाग लिया। सन? 1929 के दिसंबर में सरदार पटेल ने किसान संगठन के सिलसिले में मुंगेर आदि शहरों का दौरा किया, तब अनुग्रह बाबू सभी जगह उनके साथ थे। 26 जनवरी 1930 को सारे देश में स्वतंत्रता की घोषणा पढ़ी गई। अनुग्रह बाबू को भी कई स्थानों में घोषणा पत्र पढ़ना पढ़ा। कुछ दिनों के बाद महात्मा गांधी ने नमक सत्याग्रह आंदोलन शुरू कर दिया। उस सिलसिले में उन्हें चम्पारण, मुजफ़्फ़रपुर आदि स्थानों का दौरा करना पड़ा। 26 जनवरी, 1933 को जब पटना में घोषणा पढ़ रहे थे, उसी समय उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें पंद्रह मास की सज़ा हुई और उन्हें हज़ारीबाग़ जेल भेज दिया गया। जिस समय वे जेल में थे, बिहार में इतिहास विख्यात प्रलयंकारी भूकंप आया। हृदय विदारक समाचारों को पढ़कर उनका हृदय दर्द से कराह उठा। चहारदीवारी के अंदर बंद रहने के कारण ये कोई राहत कार्य नहीं कर सकते थे। लेकिन सरकार ने तीन हफ्तों के बाद इन्हें छोड़ दिया। छूटते ही अनुग्रह बाबू राहत कार्य में संलग्न हो गये। राजेन्द्र बाबू के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इन्होंने अथक परिश्रम के साथ पीड़ित मानवता की सेवा की। मुजफ़्फ़रपुर, मुंगेर आदि शहरों का दौरा किया। इसके लिये राजेन्द्र बाबू की अध्यक्षता में एक कमेटी बनी, जिसके उपाध्यक्ष अनुग्रह बाबू चुने गये तथा खूब लगन के साथ सेवा कार्य किया। सन? 1940 को मार्च महीने में अखिल भारतीय कांग्रेस का अधिवेशन रामगढ़ में हुआ। अधिवेशन का संपूर्ण भार अनुग्रह बाबू के कंधे पर था। उसमें जो अपनी तत्परता दिखलाई उसके फलस्वरूप ही कांग्रेस का अधिवेशन सफल हुआ।

चांदी ने बनाया नया रिकॉर्ड, कीमत 106,436 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। 17 जून दोपहर 4.34 बजे चांदी ने अपना नया रिकॉर्ड बनाया। एमसीएक्स में 1 किलों चांदी की कीमत 2212 रुपये बढ़ी है। अभी इसका दाम 106,436 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। चांदी ने अब तक 106005 प्रति किलो पहुंचकर लो रिकॉर्ड बनाया है।

इसके साथ ही 109011 प्रति ग्राम पहुंचकर अब तक का हाई रिकॉर्ड बनाया है।

कितना है सोने का भाव- मसीएक्स पर 10 ग्राम सोने का भाव दोपहर 4.45 बजे 98,902 रुपये चल रहा है। इसके दाम में अभी 402 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सोने ने अब तक 98,810 प्रति 10 ग्राम पहुंचकर लो रिकॉर्ड बनाया है। इसके साथ ही 99,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंचकर हाई रिकॉर्ड बनाया है।

कब-कब बढ़ती है सोने और चांदी की कीमत - जभी भी दो देशों के बीच युद्ध की स्थिति बनती है, ऐसे समय में निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर रुझान लेते हैं। वहीं विश्व अर्थव्यवस्था में बदलाव के समय भी लोग सोने में निवेश करना पसंद करते हैं।

इसके अलावा हमारे देश में शादी के समय या किसी उत्सव के वक्त सोने और चांदी के दाम उछाल देखा जाता है। क्योंकि इस समय इनकी मांग सबसे ज्यादा होती है। आमतौर पर सोना 24, 22 और 18 कैरेट में मिलता है। हालांकि 22 कैरेट को ही गहना या आभूषण के लिए ठीक माना जाता है। क्योंकि अन्य धातुओं के मिश्रण के कारण ये और मजबूत बन जाता है।

आप आज ईटीएफ के माध्यम से सोने में डिजिटल तरीके से खरीद सकते हैं। इसमें फिजिकल सोने की तरह खोने का डर नहीं रहता। वहीं आप ईटीएफ में कम कीमत पर निवेश कर सकते हैं। ईटीएफ में निवेश का फायदा ये भी है कि इसमें गोल्ड जैसा ही रिटर्न निवेशकों को मिलता है।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए मिला 4100 करोड़ रुपये का ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज कंपनी सीमेंस लिमिटेड के शेयर मंगलवार को क्स्थ में 3 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 3372.50 रुपये पर पहुंच गए। सीमेंस ने घोषणा की है कि उसके कंसोर्शियम को नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड से 4100 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर देश के पहले बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए है। कंसोर्शियम की अगुवाई दिनेशचंद्र आर अग्रवाल इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड कर रही है। इस कंसोर्शियम में सीमेंस लिमिटेड और सीमेंस मोबिलिटी जीएमबीएच भी हैं। सीमेंस लिमिटेड ने अपने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

4100 करोड़ रुपये के इस कॉन्ट्रैक्ट में अकेले सीमेंस की हिस्सेदारी 1230 करोड़ रुपये है। सीमेंस को मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए एडवांस्ड सिग्नलिंग और टेलिकम्युनिकेशन सिस्टम के डिजाइन, इंस्टॉलेशन और लॉन्ग टर्म मेंटीनेंस का काम मिला है। इस प्रोजेक्ट को 54 महीने में पूरा किया जाना है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, सीमेंस 15 साल के लिए मेंटीनेंस सपोर्ट उपलब्ध कराएगी। एग्रीमेंट के तहत सीमेंस लिमिटेड यूरोपियन ट्रेन कंट्रोल सिस्टम लेवल-2 बेस्ड सिग्नलिंग और ट्रेन कंट्रोल टेक्नोलॉजीज लागू करेगी।

डोनाल्ड ट्रंप ने फार्मा टैरिफ को लेकर बड़ा दावा किया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैरिफ को लेकर अपने ऐलान से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, कई देशों को परेशान कर रहे हैं,आए दिन उनके बयानों से शेयर बाजार और खास कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिल जाती है। डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फार्मा शेयरों पर टैरिफ को लेकर एक बयान दे दिया, जिसके बाद दवा बनाने वाली भारतीय कंपनियों के शेयर टूट गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कथित तौर पर कहा कि फार्मा टैरिफ बहुत जल्द आने वाले हैं। इस बयान के सामने आते ही निफ्टी फार्मा इंडेक्स 2 प्रतिशत से अधिक गिरकर 21,599 के आसपास पहुंच गया और मार्केट में आज का सेक्टोरल लूजर बन गया।

फार्मा इंपोर्ट पर टैरिफ बहुत जल्द आएगा- मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 17 जून को संवाददाताओं से कहा कि फार्मा इंपोर्ट पर टैरिफ बहुत जल्द आने वाला है। यह संभावित रूप से भारतीय फार्मा कंपनियों को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि उनके रेवेन्यू का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका से आता है। दरअसल, इंडियन फार्मा कंपनीज अमेरिका में अपनी दवाओं का निर्यात करती हैं। इससे पहले भी डोनाल्ड ट्रंप फार्मा पर टैरिफ को लेकर बयान दिए थे। हालांकि, कभी इसे टालने की बात कही तो कभी जल्द लागू करने को कहा। इसके चलते फार्मा सेक्टर के शेयरों में गिरावट और तेजी देखने को मिली।

इन फार्मा शेयरों में आई गिरावट- ग्रेन्युल्स इंडिया, ल्यूपिन, नैक्टो फार्मा, अरबिंदो फार्मा, लॉरस लैब, डिवीज लैब, सन फार्मा और डॉ रेड्डीज समेत अन्य फार्मा शेयर 4 फीसदी तक टूट गए और साढ़े 3 प्रतिशत तक की गिरावट के साथ बंद हुए।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ के संबंध में राहत देने के लिए कई देशों को 9 जुलाई से पहले यूएस के साथ ट्रेड डील करने को कहा था। हालांकि, फार्मा सेक्टर रेसिप्रोकल टैक्स की कैटेगरी से बाहर था। लेकिन, बाद में ट्रंप ने फार्मा इंपोर्ट पर अलग से टैरिफ लगाने की बात कही थी।

सुब्रोस के शेयरों ने एक हफ्ते में दिया 45% का रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर मार्केट में 17 जून को गिरावट जारी है। इस खबर को लिखे जाते वक्त सेंसेक्स 234 अंक गिरकर 81561 पर ट्रेड कर रहे हैं। वहीं, निफ्टी फिफ्टी 94 अंक गिरकर 24851 के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। इन सबके बीच एक शेयर ने मार्केट में इस समय तबाही मचा रखी है। इस शेयर का नाम है सुब्रोस है। यह पहली बार की सुब्रोस के शेयर 1,000 के स्तर को पार कर गया। सुब्रोस ने आज अपना ऑल टाइम हाई भी बना दिया। इसके शेयर आज 1083.20 रुपये के स्तर तक गए। पिछले सात दिनों में इस शेयर अपने निवेशकों को ताबड़तोड़ 45 फीसदी का रिटर्न दिया है। स्टॉक मार्केट की न्यूज की दुनिया में आज इसकी खूब चर्चा हो रही है।

सुब्रोस कंप्रेसर, कंडेनसर, हीट एक्सचेंजर और एसी लूप को पूरा करने के लिए आवश्यक सभी कनेक्टिंग प्रोडक्ट्स बनाती है। इस कंपनी को सरकार के एक कानून से फायदा हुआ। दरअसल, सरकार के नियम लागू किया था, जिसके तहत 8 जून से भारत में बिकने वाले सभी भारी और मध्यम ट्रकों में कारखानों से ही ़ष्ट लगकर आना अनिवार्य है। सरकार ने इस नियम को 1.5 साल पहले बनाया था लेकिन अब इसे पूरी तरह से लागू कर दिया गया है।इस कानून को बनाने का उद्देश्य ड्राइवरों को आराम देना है।

एक्सचेंज के एफएंडओ सेगमेंट की एक्सपायरी डेट बदली गई

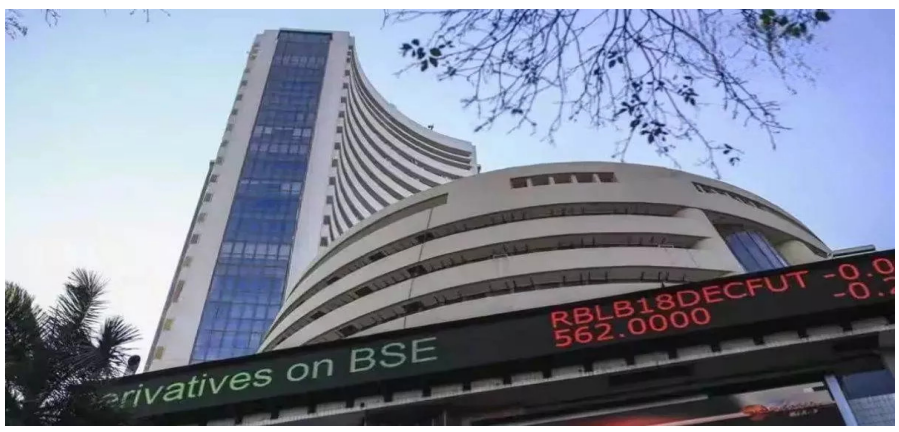

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर मार्केट में फ्यूचर एंड ऑप्शन सेगमेंट में काम करने वाले लाखों ट्रेडर्स के लिए एक बड़ी खबर आई है। अब निफ्टी के F&O कॉन्ट्रेक्ट की एक्सपायरी डेट गुरुवार से बदलकर मंगलवार हो गई है, जबकि सेंसेक्स की एक्सपायरी गुरुवार को होगी।

मई में, पूंजी बाजार नियामक सेबी ने इक्विटी डेरिवेटिव्स के लिए नए नियम पेश किए, जिसमें अनिवार्य किया गया कि ऐसे सभी कॉन्ट्रेक्ट अब केवल मंगलवार या गुरुवार को ही समाप्त होने चाहिए।

SEBI से मिली मंजूरी- इसके बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने मंगलवार को अपने एक्सपायरी डे के रूप में चुना था, और अब सेबी ने इसके लिए मंजूरी दे दी है।

डेरिवेटिव ट्रेडिंग में वॉल्यूम के मामले में एनएसई दुनिया का सबसे बड़ा शेयर बाजार है। निफ्टी इंडेक्स और बैंक निफ्टी ट्रेडर्स के बीच सबसे पॉपुलर कांट्रैक्ट हैं। निफ्टी इंडेक्स की वीकली एक्सपायरी हर गुरुवार को होती है, जबकि निफ्टी इंडेक्स की मंथली एक्सपायरी महीने के आखिरी गुरुवार को होती है।

नहीं बदलेगी मौजूदा कॉन्ट्रेक्ट की एक्सपायरी- इस बारे में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने कहा कि मौजूदा स्न×ह्ल कॉन्ट्रेक्ट की एक्सपायरी डेट में कोई बदलाव नहीं होगा। बीएसई के डेरिवेटिव कॉन्ट्रेक्ट, जो 31 अगस्त, 2025 को या उससे पहले समाप्त हो जाते हैं, वे वर्तमान एक्सपायरी डेट के साथ जारी रहेंगे, जबकि 1 सितंबर, 2025 के बाद समाप्त होने वाले कॉन्ट्रेक्ट की एक्सपायरी डेट गुरुवार हो जाएगी।

सोलर इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले 4 महीनों से तेजी जारी है

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस और कमर्शियल सेक्टर के लिए विस्फोटक सामान बनाने वाली एक कंपनी के शेयरों में पिछले 4 महीने से लगातार जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है, और इसने 75 फीसदी का रिटर्न डिलीवर कर दिया है। सोलर इंडस्ट्रीज के शेयर फिलहाल 17135 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं, जबकि मार्च में इनकी कीमत 8841 रुपये थी। सोलर इंडस्ट्रीज के शेयरों ने मार्च में 29%, अप्रैल में 17%, मई में 22% और जून में अब तक 6 फीसदी से ज्यादा रिटर्न डिलीवर कर दिया है। 2015 में इस कंपनी के एक शेयर का भाव 500 रुपये के आसपास था और अब कीमत 17135 रुपये है।

सोलर के शेयरों का ऐतिहासिक रिटर्न- सोलर इंडस्ट्रीज के शेयरों ने अलग-अलग अवधि में शानदार रिटर्न दिया है, खासकर लंबी अवधि में तो इस कंपनी के स्टॉक ने निवेशकों का पैसा 17 गुना तक कर दिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हफ्ते भर में पूरे प्रदेश होगी झमाझम बारिश

भोपाल। अलग-अलग स्थानों पर बनी चार मौसम प्रणालियों के असर से मानसून के आगे बढ़ने का सिलसिला बना हुआ है। इसी क्रम में मंगलवार को इंदौर, देवास सहित 15 अन्य शहरों में भी मानसून ने दस्तक दे दी। बादल बने रहने और अलग-अलग स्थानों पर वर्षा होने के कारण अब अधिकतम तापमान में भी गिरावट हो गई है। मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक रतलाम, मंडला एवं जबलपुर में पांच, छिंदवाड़ा में तीन, धार एवं टीकमगढ़ में एक, सतना में 0.2 मिलीमीटर वर्षा हुई। उधर कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को बोवनी के लिए अभी कुछ इंतजार करने की सलाह दी है।मानसून ने दी दस्तक

मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी वीएस यादव ने बताया कि मंगलवार को दक्षिण-पश्चिमी मानसून आलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, देवास, हरदा, उत्तरी खंडवा, बैतूल, नर्मदापुरम (पचमढ़ी), छिंदवाड़ा, पांढुर्ना, सिवनी, बालाघाट, मंडला एवं डिंडौरी में भी पहुंच गया है। सोमवार को मानसून ने बड़वानी, खरगोन, दक्षिणी खंडवा एवं बुरहानपुर में आमद दर्ज कराई थी। अगले 48 घंटों के दौरान मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों में मानसून के पहुंचने की संभावना है। गुरुवार-शुक्रवार तक भोपाल में भी दस्तक दे सकता है। इस बीच प्रदेश के अधिकतर जिलों में गरज-चमक के साथ वर्षा भी होगी।

ये मौसम प्रणालियां हैं सक्रिय

गुजरात एवं उसके आसपास कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे संबद्ध ऊपरी हवा का चक्रवात दक्षिण दिशा की और झुका हुआ है। इस मौसम प्रणाली से एक द्रोणिका झारखंड तक बनी है, जो मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से होते हुए जा रही है। एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में जम्मू के आसपास बना हुआ है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि इन मौसम प्रणालियों के अलावा बंगाल की खाड़ी में भी कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इस वजह से मानसून लगातार गतिमान बना हुआ है। चार-पांच दिन में मानसून पूरे प्रदेश को कवर कर सकता है।

बोवनी करने में जल्दबाजी ना करें किसान

पूर्व संचालक कृषि एवं कृषि विशेषज्ञ डॉ. जीएस कौशल ने मानसून के आते ही बोवनी करने में जल्दबाजी ना करते की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि पहली वर्षा में खेतों में काफी खरपतवार ऊग आती है। उसका निष्पादन कर खेत तैयार करने के बाद मौसम का रुख देखते हुए बोवनी करें। बोवनी के पहले बीजों का अंकुरण परीक्षण जरूर करें। रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों का इस्तेमाल भी ना करें। बीज की व्यवस्था पहले से करके रखें। मौसम एवं कृषि विशेषज्ञ डॉ. अनुपम काश्यपि ने भी किसानों को अभी बोवनी ना करने का सुझाव दिया है।

हनी ट्रैप गिरोह का भंडाफोड़- आरक्षक से वसूले 2 लाख रुपये

पिपलियामंडी। नगर में हनी ट्रैप का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला और उसके कथित पति ने पुलिस आरक्षक से बलात्कार केस में फंसाने की धमकी देकर अवैध वसूली की। पुलिस ने मामले की जांच के बाद दोनों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।क्या है पूरा मामला?

गांव लूनाहेड़ा निवासी 38 वर्षीय आरक्षक गोपाल पुत्र मूलचंद मालवीय, जो वर्तमान में नीमच में पदस्थ हैं। गोपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपी महिला रंजू पति हरीश तिवारी उसी गांव में रहती है। रंजू का पति हरीश तिवारी अक्सर शराब के नशे में उससे मारपीट करता था। 16 जनवरी 2024 को दोनों के बीच हुए विवाद के बाद रंजू ने आरक्षक गोपाल को अपने घर बुलाया और कुछ देर तक बातचीत करती रही। तभी उसका पति अचानक वहां पहुंचा और गोपाल पर आरोप लगाते हुए जोर-जोर से चिल्लाने लगा। इसके बाद हरीश ने आरक्षक को धमकाया कि अगर मामला निपटाना है तो लेन-देन करके समझौता करो, वरना बलात्कार के झूठे केस में फंसा देंगे। उन्होंने 10 लाख रुपये की मांग की। बाद में सौदा 4 लाख में तय हुआ।

इंटरनेट मीडिया पर मिली धमकियां-गोपाल ने किसी तरह से 2 लाख रुपये का इंतजाम किया, जिसमें से 1 लाख रुपये 12 अप्रैल 2024 को नगद दिए। इस पूरी प्रक्रिया का वीडियो भी बनाया गया। उसी दिन एक एग्रीमेंट भी किया गया। इसके बाद पीड़ित ने 70 हजार रुपये और किस्तों में मोबाइल ट्रांसफर के माध्यम से भेजे। बावजूद इसके, रंजू द्वारा इंटरनेट मीडिया पर धमकियां और पैसों की लगातार मांग जारी रही।

पुलिस की कार्रवाई-पुलिस ने आरोपी रंजू और उसके पति हरीश तिवारी के खिलाफ धारा 308(2), 308(6), 61 और 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है। चौकी प्रभारी धर्मेश यादव ने बताया कि महिला पहले भी ऐसे मामलों में लिप्त रही है। कुछ दिन पहले उसे एक मारपीट के केस में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस को जांच में पता चला है कि महिला ने सब्जी मंडी के एक दुकानदार, बरखेड़ा के एक व्यक्ति सहित कई अन्य लोगों से भी इसी तरह वसूली की है, लेकिन वे सामने आने से बच रहे हैं।

थानों पर शुरू हुआ CEIR पोर्टल, अब तक 75 शिकायत दर्ज

रतलाम। अगर आपका मोबाइल चोरी हो गया है या कहीं गुम हो गया है तो अब आपको सायबर सेल के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। भारत सरकार द्वारा संचालित 'सीईआईआर पोर्टल' (Central Equipment Identity Register) की सुविधा अब रतलाम जिले के सभी थानों में शुरू कर दी गई है। इस पोर्टल के जरिए आप खुद भी अपने मोबाइल की स्थिति पर निगरानी रख सकेंगेक्या है सीईआईआर पोर्टल?

CEIR एक राष्ट्रीय मोबाइल ट्रैकिंग पोर्टल है, जो आपके गुम या चोरी हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक करता है ताकि कोई दूसरा उसका दुरुपयोग न कर सके। यह आपके मोबाइल के IMEI नंबर के जरिए कार्य करता है।

जैसे ही कोई व्यक्ति आपके चोरी हुए मोबाइल में नई सिम डालकर उसे चालू करेगा, तुरंत आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक अलर्ट मैसेज आ जाएगा। यह जानकारी लेकर आप पुलिस को सूचित कर सकते हैं और आगे की कार्रवाई शुरू हो सकेगी।

शिकायत दर्ज करना हुआ आसान-अब तक मोबाइल चोरी या गुम होने की शिकायत के लिए लोगों को थाने से सायबर सेल भेजा जाता था, लेकिन अब सभी थानों पर सीधे सीईआईआर पोर्टल के जरिए शिकायत दर्ज की जा रही है।

पुलिसकर्मियों को इस पोर्टल से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। बीते एक महीने में रतलाम के थानों से करीब 75 शिकायतें पोर्टल पर दर्ज की गई हैं।

आप चाहें तो खुद भी यह शिकायत दर्ज कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए पुलिस में की गई शिकायत की प्रति जरूरी होगी।

कैसे करें शिकायत दर्ज?

1. नजदीकी थाने में जाकर मोबाइल चोरी/गुम होने की शिकायत दर्ज करें और एक प्रति प्राप्त करें।

2. अपने मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर को कॉल करके सिम को अस्थायी रूप से बंद कराएं।

3. कंप्यूटर या मोबाइल पर https://ceir.gov.in खोलें।

4. 'Block Stolen/Lost MobileÓ पर क्लिक करें।

5. फॉर्म में मोबाइल नंबर, पुलिस शिकायत संख्या, और एक वैध आईडी प्रमाण भरें।

6. 'सबमिट' पर क्लिक करने के बाद एक रिक्वेस्ट आईडी मिलेगी, जिसे सेव कर लें।

7. इस आईडी से आप अपनी शिकायत की स्थिति ट्रैक कर सकते हैं

सीईआईआर पोर्टल के फायदेमोबाइल ब्लॉक होने से कोई उसका गलत इस्तेमाल नहीं कर सकेगा।

नई सिम डालने पर यूजर का डेटा ट्रेस होकर अलर्ट मिल जाएगा।

सटीक जानकारी मिलने पर पुलिस त्वरित कार्रवाई कर सकेगी।

यूज़र फ्रेंडली सिस्टम होने के कारण आम लोग भी इसका इस्तेमाल आसानी से कर सकते हैं।

2023 से इस सेवा की शुरुआत

सरकार ने मई 2023 से इस सेवा की शुरुआत की थी और इसे देशभर में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। अब रतलाम में भी इसका असर देखने को मिल रहा है, जहां लोगों को अपनी खोई हुई मोबाइल के बारे में अपडेट मिलने लगा है।

इससे न सिर्फ मोबाइल रिकवरी की संभावना बढ़ी है, बल्कि मोबाइल चोरी से जुड़े अपराधों पर भी लगाम लगने की उम्मीद है।

अब कॉलेज से गायब नहीं हो सकेंगे प्रोफेसर, नहीं तो कटेगा वेतन

भोपाल। प्रदेश भर के कॉलेजों में शिक्षकों सहित अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति ऑनलाइन अनिवार्य कर दी गई है। इसकी रिपोर्ट भी कलेक्टर को भेजी जाएगी। अगर ऑनलाइन उपस्थिति नहीं लगी तो वेतन में कटौती होगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग कई बार आदेश जारी कर चुका है। फिर से विभाग ने सभी कॉलेज के प्राचार्यों को आदेश जारी कर प्राध्यापकों सहित ग्रंथपाल, लाईब्रेरियन और अतिथि विद्वानों उपस्थिति सार्थक एप से लगाने के आदेश जारी कर दिए हैं।ऐप उपस्थिति लगने से ही मिलेगा वेतन यह भी स्पष्ट किया है कि ऐप से मिली उपस्थिति से विभाग वेतन जारी करेगा। समस्या दूर दराज के कॉलेजों में आ रही हैं। जहां इंटरनेट नहीं होने पर सार्थक ऐप से उपस्थित नहीं लग रही है। यहां तक फेस रीडिंग तक नहीं हो पा रही है।

इंदौर जिले में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष अभियान प्रारंभ

कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

इंदौर। इंदौर जिला प्रशासन ने जिले में लंबित राजस्व प्रकरणों के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से एक अभिनव और कठोर निगरानीयुक्त अभियान की शुरुआत की है। इस विशेष अभियान के तहत 31 मई 2025 तक जिले में लंबित सभी राजस्व प्रकरणों का निराकरण आगामी 15 जुलाई तक सुनिश्चित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान की प्रगति की लगातार सतत, प्रभावी और परिणाममूलक मॉनिटरिंग की जायेगी। अभियान के तहत राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही पाये जाने पर संबंधित राजस्व अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई होगी। उत्कृष्ट कार्य पर संबंधित अधिकारियों को पुरस्कार मिलेगा। अभियान की निर्धारित अवधि में प्रकरण निराकृत नहीं होने की सूचना देने वाले आवेदकों को भी 5 हजार रूपये की पुरस्कार राशि दी जायेगी।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने समय-सीमा के प्रकरणों के निराकरण (टीएल) की समीक्षा बैठक में दी। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य, श्री राजेन्द्र रघुवंशी तथा श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा- बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने समय-सीमा के पत्रों और सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाई जाये। 50 दिनों से अधिक के लंबित प्रकरणों के निराकरण में विशेष ध्यान दें। प्रकरणों का सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित किया जाये। बैठक में उन्होंने छावनी अनाज मंडी स्थानांतरित करने के संबंध में की जा रही कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा भी की।

संभागायुक्त ने दिये इंदौर में निर्बाध बिजली आपूर्ति के निर्देश

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में सतत एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति को लेकर संभागायुक्त कार्यालय में आज बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप सिंह, उपायुक्त श्रीमती सपना लोवंशी, मुख्य अभियंता श्री कामेश श्रीवास्तव, अधीक्षण यंत्री श्री दिलीप कुमार घाटे, मौसम विज्ञान विभाग के मेटोलॉजिस्ट श्री एस.पी. गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में श्री सिंह ने जिले की सतत विद्युत आपूर्ति की समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश देते हुए कहा कि विद्युत प्रवाह में बाधा के चलते कार्य की गति भी प्रभावित होती है, अतः तीन दिन के भीतर विद्युत आपूर्ति में आ रही बाधाओं को दूर किया जाये। इसके लिये अधिकारी और कर्मचारी निश्चित कार्ययोजना बनायें। उन्होंने कहा कि अधिकारी सतत फिल्ड में रहकर कार्य करें। विद्युत विभाग, मौसम विभाग, नगर निगम समन्वय बनाकर कार्य करें।

संभागायुक्त ने आगे कहा कि मानसून निकट है। इसलिये इस कार्य को जितना जल्दी संभव हो उतनी तेज गति से करें। आवश्यकता लगे तो कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएं, दो से तीन शिफ्ट में काम करें। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। ऐसे अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

समाजसेवी सलीम शेख का सप्तनीक हज यात्रा से लौटने पर मालवी पगड़ी पहनाकर किया सम्मान

इंदौर। अ.भा. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन व नेताजी सुभाष मंच द्वारा समाजसेवी सलीम शेख व उनकी पत्नी का हजयात्रा से सकुशल लौटने पर मालवी पगड़ी, तिरंगा दुपट्टा, शाल-श्रीफल के साथ राष्ट्रीय एकता, अखंडता के प्रतिक के रूप में सम्मान किया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री दिलीप राजपाल ने कहा कि सलीम भाई जैसे विरलयी है जो सर्वधर्म और राष्ट्रीय एकता में विश्वास रखकर देश में अमन-चैन की दुआ कर हज पर गए और वतन वापसी पर हम सबके साथ है।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मदन परमालिया ने कहा कि सलीम शेख ऐसे पहले मोमीन है, जिन्होंने मुझे भी मक्का-मदीना से हज यात्रा का दीदार वाट्सअप के माध्यम से कराया और वहां पर सलीम भाई ने कहा कि मैं भारत देश में अमन-चैन की दुओं रात और तीन कर रहा हूँ। यह यात्रा मेरे भारतवासियों के लिए समर्पित है। इस अवसर पर संजय जयंत, मुन्नालाल यादव, आफताब आलम कुरैशी, पुनम खंडेलवाल, असलम भाई कुरैशी, राहुल निहोरे, जावेद अजीम लाला, शेखु जुनियर नरसरुद्दीन, जग मोहन सोन, राजू खनूजा एवं विभिन्न जाति, धर्मों के लोगों ने सलीम शेख का गर्मजोशी से स्वागत किया एवं एक रंगारंग कव्वाली का भी आयोजन हुआ।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले के 56 ग्रामों में 30 जून तक लगेंगे शिविर

इंदौर। जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास और शासकीय योजनाओं के समावेशी लाभ वितरण को दृष्टिगत रखते हुए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले में 15 जून से शिविर आयोजन का सिलसिला प्रारंभ किया गया है। यह विकास शिविर 30 जून तक आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ लक्षित हितग्राहियों को प्रदान करना है। अभियान के अंतर्गत जिले के डॉ. अंबेडकर नगर महू विकासखंड के 52 ग्राम तथा इंदौर विकासखंड के 4 ग्रामों सहित कुल 56 ग्रामों का चयन किया गया है। अभियान के तहत आज डॉ. अम्बेडकर नगर महू के सेंडल, बैंका, उमठ, बढ़िया किमा, खुर्दी, मेंड, राजपुरा में शिविर लगाये गये। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि शिविरों के माध्यम से 18 विभागों की 25 प्रमुख योजनाओं का लाभ आमजन को एक ही स्थल पर उपलब्ध कराया जा रहा है। शिविरों में ऊर्जा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग, महिला एवं बाल विकास, आयुष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास, स्कूल शिक्षा, कृषि, मत्स्य तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग आदि की सेवाएं दी जा रही है। हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, गृह विद्युतीकरण, ऑफ-ग्रिड सोलर कनेक्शन, आयुष्मान भारत योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, जनधन खाता, टीकाकरण, आधार एवं राशन कार्ड निर्माण, जाति एवं मूल निवासी प्रमाण पत्र, समग्र आईडी, समग्र ई-केवाईसी, आंगनवाड़ी छात्रावास निर्माण, पोषण वाटिकाएं और मोबाइल मेडिकल इकाई सेवाएं आदि का लाभ भी दिया जा रहा है।

मंत्री श्री सिलावट की पहल पर 78 करोड़ की लागत से 50 कि.मी. लंबी टिगरिया बादशाह से बडोदियाखान सांवेर तक बनेगी टू लेन सड़क, मिली प्रशासकीय स्वीकृति

सिंहस्थ 2028 हेतु इन्दौर उज्जैन आवागमन के लिए होगा वैकल्पिक मार्ग

इंदौर। विकसित भारत अमृत काल के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 साल होने पर सिंहस्थ के मद्देनजर इंदौर जिले के लोगों को सड़क की एक बड़ी सौगात मिली है। सांवेर विधानसभा क्षेत्र के इन्दौर शहर के सुपर कोरिडोर स्थित टीसीएस चौराहे से लेकर सांवेर के बडोदियाखान तक लगभग 50 किलोमीटर की लंबी सडक बनेगी। जिसकी लागत 78 करोड रूपये है। इसकी स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस स्वीकृति से सांवेर के 20 से अधिक गांवों के एक लाख से अधिक लोगों को लाभ होगा।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इस सबंध में जानकारी देते बताया कि वर्षों से बडोदियाखान से टिगरिया बादशाह वैकल्पिक सडक मार्ग की मांग की जा रही थी, जिसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह द्वारा वित्तीय व्यय समिति की 109वीं बैठक में अनुमोदित कर प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है। इस मार्ग के उन्नयन से इस मार्ग का उपयोग सिंहस्थ 2028 हेतु इन्दौर से उज्जैन जाने के लिए वैकल्पिक रूप से किया जा सकेगा। इस मार्ग के उन्नयन से इन्दौर एयरपोर्ट से आने वाले यात्री, महाराष्ट्र एवं गुजरात के सडक मार्ग द्वारा आने वाले वाहनों को इन्दौर होते हुए उज्जैन जाने हेतु आवागमन के लिए सुविधा होगी तथा इन्दौर उज्जैन राज्य मार्ग के यातायात भार को कम किया जा सकेगा।

प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में 929 लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिये स्वास्थ्य विभाग और अरविंदो मेडिकल कॉलेज द्वारा सीएमराइज स्कूल नन्दा नगर में प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 929 लोगों का पंजीयन किया गया और विभिन्न विभागों द्वारा विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। शिविर में कैंसर, टीबी, हड्डी, हार्ट, लीवर एवं गठिया रोग, दंत रोग एवं नेत्र रोगों आदि से जुड़ी लगभग तीन हजार से अधिक जाँचें की गई। इनमें मुख्य रूप से 93 ईसीजी, 138 फाइब्रोस्कैन, 432 एचबी, 444 आरबीएस, 444 एसजीपीटी, 203 एसजीओटी, 203 लिपिड प्रोफाइल, 302 ईको, 72 यूएसजी, 63 मैमोग्राफी, 30, 256 जनरल मेडिसिन, 167 कार्डियोलॉजी, 145 गैस्ट्रोलॉजी, 52 गायनेकोलॉजी, 33 पल्मोनरी, 44 रूमेटोलॉजी, 49 कैंसर स्क्रीनिंग, 65 डेंटल चेकअप, जाँचें विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठायें। अरविंदो अस्पताल के चेयरमैन डॉ.विनोद भंडारी ने बताया कि प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में विभिन्न जाँचों के दौरान ऐसे मरीजों को विशेष रूप से चिन्हित किया गया जो पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं अथवा जिनके निकट भविष्य में किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने की संभावना है। शिविर में कैंसर, पेट से जुड़े रोग,नेत्र,दंत,जनरल मेडिसिन,हृदय रोग,लीवर और टीबी आदि रोगों की जाँच एवं इलाज के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहे। प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का उद्देश्य नागरिकों में रोगों की पूर्व पहचान कर समय पर उपचार की सुविधा देना था। आभा एवं आयुष्मान योजना के तहत भी सैकड़ों मरीजों का इलाज कर चिकित्सा परामर्श दिया गया।

तुलसी नगर–निपानिया सड़क पर रिटेनिंग वॉल की रुकावट, कब मिलेगी राहत?

इंदौर। पिछले छह महीनों से शहर के निपानिया क्षेत्र को मुख्य शहर से जोड़ने वाली तुलसी नगर पुलिया और बीसीएम पैराडाइज के बीच की मुख्य एवं व्यस्ततम सड़क पर चल रहा रिटेनिंग वॉल का निर्माण कार्य कछुए की चाल से चल रहा है। करीब पौने तीन करोड़ की लागत से बन रही इस परियोजना की सुस्ती ने न केवल तुलसी नगर पुलिया और बीसीएम पैराडाइज के बीच चीर प्रतीक्षित सड़क चौड़ीकरण के कार्य को ठप कर दिया है, बल्कि ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ा दिया है। लगभग 2.75 करोड़ रुपये की लागत से बन रही यह वॉल तुलसी नगर पुलिया और बीसीएम पैराडाइज चौराहे के बीच नाले के एक तरफ बनाई जा रही है। तय समय सीमा बीत जाने के बावजूद कार्य पूरा न होने से निपानिया क्षेत्र के इस प्रमुख सड़क के पुनर्निर्माण एवं चौड़ीकरण का काम शुरू नहीं हो सका। नतीजतन, इस व्यस्त सड़क पर रोजाना हजारों वाहन चालकों को जाम, असुविधा और दुर्घटना के खतरे का सामना करना पड़ रहा है।

यह सड़क, जो निपानिया और बायपास को मुख्य शहर से जोड़ती है, वर्तमान में एक संकरे, टूटे-फूटे डामर मार्ग तक सिमट गई है। एक तरफ गहरे नाले के पास रिटेनिंग वॉल का निर्माण और डंप की गई मिट्टी है, तो दूसरी तरफ कच्ची मिट्टी और उबड़-खाबड़ रास्ता।

सुबह से देर रात तक इस मार्ग पर भारी ट्रैफिक के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि हल्की बारिश में भी यह रास्ता कीचड़ और गड्ढों से भर जाता है, जिससे वाहनों का फिसलना और दुर्घटनाएं आम हो गई हैं। हाल ही में इस सड़क पर कई हादसे हो चुके हैं।

स्थानीय लोगों की शिकायत-

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

पार्षदों के कार्यो को गंभीरता से लेते हुए समय सीमा में पूर्ण करें - महापौर मुकेश टटवाल

झोन क्र. 3 की समीक्षा बैठक में महापौर ने अधिकारियों किया निर्देशित

उज्जैन। मंगलवार को जोन क्रमांक 03 की समीक्षा बैठक महापौर श्री मुकेश टटवाल की विशेष उपस्थिति एवं जोन क्रमांक 03 के जोन अध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा झोन अधिकारी को निर्देशित किया गया की पार्षदों द्वारा बताए गए अपने वार्डों के विकास एवं निर्माण कार्यों को गंभीरता से लिया जाकर उक्त कार्यों को परिणाम तक ले जाएं साथ ही बताए गए कार्य समय से हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए।

समीक्षा बैठक एजेंडे के बिंदुवार विषयों से प्रारम्भ हुई जिसमें स्वास्थ्य, प्रकाश, शिल्पज्ञ, उद्यान, संपत्ति कर, अतिक्रमण से जुड़े इत्यादि विषय रखे गए।

समीक्षा बैठक में वार्ड पार्षदों द्वारा अपने वार्ड अंतर्गत पार्षद निधि के कार्य समय से करवाए जाने हेतु बात कही गई, बारिश का समय प्रारंभ हो चुका है जिन क्षेत्रों में नालों की सफाई नहीं हुई है वहां संसाधन लगाते हुए नाले साफ करवाए जाए, महाकाल मंदिर क्षेत्र के 500 मीटर परिधि में भवन अनुज्ञा के संबंध में आदेश जारी किए गए हैं जिन नागरिकों द्वारा भवन अनुज्ञा प्राप्त करनी हैं उनकी भवन अनुज्ञा की कार्यवाही संपादित की जाए।

बैठक में एमआईसी सदस्य श्री सत्यनारायण चौहान, श्री रजत मेहता, श्री शिवेंद्र तिवारी, डॉ योगेश्वरी राठौर, पार्षद श्रीमती लीला वर्मा, श्रीमती प्रेमलता रामी, श्रीमती नाजिया कुरेशी, पार्षद प्रतिनिधि अनवर नागौरी, श्री फिरोज पठान, उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता, जोनल अधिकारी श्री दीपक शर्मा, सहायक आयुक्त श्री प्रदीप सेन, कार्यपालन यंत्री श्री जगदीश मालवीय, स्वास्थ्य अधिकारी श्री हरीश व्यास, उपयंत्री, संपत्ति कर प्रभारी, उद्यान प्रभारी, अतिक्रमण गैंग प्रभारी, प्रकाश विभाग प्रभारी उपस्थित रहे।

श्रावण मास में निकलेगी नि:शुल्क 84 महादेव दर्शन यात्रा

यात्रा की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में हुआ सम्मान

उज्जैन। नि:शुल्क 84 महादेव दर्शन यात्रा समिति द्वारा श्रावण मास में निकाली जाने वाली यात्रा हेतु बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सम्मान समारोह भी आयोजित हुआ। 13 जुलाई को यह यात्रा नानाखेड़ा चौराहे से शुभारंभ होकर घंटाघर चौराहे पर आएगी। यहां से बस द्वारा सभी यात्रियों को दर्शन के लिए ले जाया जाएगा।

बैठक में महामंडलेश्वर शैलेशानन्दजी, शनि मंदिर के मुख्य पुजारीजी का सानिध्य प्राप्त हुआ। साथ ही शयन आरती प्रमुख महेन्द्र कटियार, पूर्व पार्षद संतोष व्यास, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि दीपक बेलानी सहित राष्ट्रीय सिंधी महिला मंच अध्यक्ष दीपा वासवानी, नेहा मोटवानी, सुनीता शर्मा, पूजा खेमानी, पलक वाधवानी, दीपा खत्री, बबीता रोचवानी सहित बड़ी संख्या में राठौर समाज, प्रजापत समाज, कहार समाज, सिंधी समाज, करणी सेना प्रमुख, शिव सेना प्रमुख सहित समाजों के अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधि और समाजसेवी मौजूद रहे। इंदौर से पधारे श्री महाकालेश्वर दर्शनार्थी सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष संतोष चौहान, रौशन यादव गोल्ड मेन, राम फाइनेंस के फाउंडर चैतन दुबे, महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय के सदस्य गौरव धाकड़ सहित नि:शुल्क 84 महादेव सेवा समिति के सभी सहयोगीजन और कार्यकर्ता आदि ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल रूप प्रदान किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों का नि:शुल्क 84 महादेव दर्शन यात्रा समिति द्वारा आभार व्यक्त किया। संचालन गौरव जाट ने किया। यह जानकारी शशांक चंदेरी ने दी।

मल्लखंब दिवस पर खिलाड़ियों ने किया मल्लखंब एवं प्राणायाम

उज्जैन। लोकमान्य तिलक सांस्कृतिक न्यास द्वारा संचालित मलखंब एवं योग केंद्र में मल्लखंब दिवस मनाया गया। जिसमें शरीर को स्वस्थ रखने एवं एकाग्रता बढ़ाने हेतु किये जाने वाले मल्लखंब एवं प्राणायाम का प्रशिक्षित खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शन किया गया।

21 जून योग दिवस हेतु प्रशिक्षित हो रहे खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु कलेक्टर रोशनकुमार सिंह भी पहुंचे। 15 से 21 जून तक प्रशिक्षित हो रहे ये खिलाड़ी 21 जून योग दिवस पर प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर लोकमान्य तिलक सांस्कृतिक न्यास के अध्यक्ष किशोर खंडेलवाल, सचिव विश्वनाथ सोमण।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा समाज ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया

उज्जैन। कोठी पैलेस स्थित संकुल भवन पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के माध्यम से कायस्थ समाज के लोगों द्वारा राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा महाराष्ट्र में अपनी कथा के दौरान भगवान चित्रगुप्त पर दिए विवादित बयान को लेकर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा , चित्रवंश सेवा संगठन उज्जैन और कायस्थ सबके लिए अभियान उज्जैन ने कार्रवाई की मांग की है साथ ही प्रदीप मिश्रा द्वारा माफी नहीं मांगने की स्थिति में कुबेरेश्वर धाम सीहोर का घेराव करने की भी बात कही है ,चित्रवश सेवा संगठन के अध्यक्ष निखिलेश खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा यमराज और चित्रगुप्त पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर ज्ञापन दिया है और कार्रवाई की मांग की है। भगवान चित्रगुप्त कायस्थ समाज के कुल देवता है लेकिन वह पूरे ब्रह्मांड के जीव जंतुओं का लेखा-जोखा रखते हैं ऐसे में सभी के भगवान होने के चलते हैं उन्हें भला बुरा कहना प्रदीप मिश्रा की मानसिक स्थिति खराब होना दर्शाता है ऐसे में प्रदीप मिश्रा पर कड़ी कार्रवाई होना चाहिए और प्रदीप मिश्रा अगर समय रहते माफी नहीं मांगते हैं तो सभी समाज के लोग सीहोर पहुंचकर घेराव करेंगे और कार्रवाई की मांग करेंगे।

केंद्रीय जेल भेरूगढ़ में महिला कैदियों को लायंस क्लब उज्जैन सुरभि ने भेंट की 3 सिलाई मशीन

महिला कैदियों को शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बताया योग का महत्व

उज्जैन। लायंस क्लब उज्जैन सुरभि द्वारा केंद्रीय जेल भेरूगढ़ में एमजेएफ ला. मिथलेश गर्ग की अध्यक्षता में एवं जेल अधीक्षक मनोज साहू एवं डिप्टी जेलर सुरेश गोयल की विशेष उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की संयोजक ला. डॉ. रश्मि श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। जिसमें सामाजिक सरोकार के तहत महिला कैदियों को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से 3 सिलाई मशीनें न्यूयार्क निवासी मयूरी सक्सेना एवं ला. रश्मि जैन के सौजन्य से प्रदान की गई। इसी के साथ महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने एवं निरोगी रहने की भावना के तहत ला. डॉ. रश्मि श्रीवास्तव एवं ला. वीणा मित्तल द्वारा मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए योग का महत्व बताया तथा सभी महिला कैदियों को योग का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में ला. संध्या सक्सेना, लायन मीनल जोशी, ला. डॉ. संतोष गुप्ता, ला. प्रीति जोशी, जानकी माथुर के साथ जेल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लायन सदस्यों, जेल अधीक्षक तथा सभी अधिकारी कर्मचारीगण को कार्यक्रम की अनुमति प्रदान करने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार कोषाध्यक्ष लायन सुधा गुप्ता द्वारा प्रकट किया गया।

उज्जैन के धार्मिक स्थलों पर श्रध्दालुओं की जेब काट रहे जेब कतरे

उज्जैन। उज्जैन शहर के धार्मिक स्थलों पर जेब कतरे श्रध्दालुओं की जमकर जेब काट रहे हैं। देव दर्शन करने धार्मिक यात्रा पर आए श्रध्दालुओं की गाड़ी कमाई के पैसे एक झटके में जेब से गायब हो रहे हैं।

इंदिरा नगर युवा विकास समिति वार्ड 5 के अध्यक्ष मंगेश श्रीवास्तव ने बताया कि अंगारेश्वर महादेव मंदिर पर स्वयं उनके साथ जेबकटने की घटना हो गई। जेब कतरे ने जेब काटकर 20,000 रूपये गायब कर दिये। जिसकी शिकायत चिमनगंज मंडी थाने में की और उसकी जांच चल रही है। मंगेश श्रीवास्तव ने कहा कि यह चिंता का विषय है हमारी अवंतिका नगरी उज्जैन में कई धार्मिक स्थल है जो विश्व प्रसिद्ध है। अंगारेश्वर महादेव मंदिर पर सीसीटीवी कैमरा नहीं होना यह बड़े ही दुख की एवं चिंता की बात है। माता गढ़कालिका मंदिर पर भी जगह-जगह लिखा रहता है की जेब कतरों से सावधान। हमारे धार्मिक स्थलों पर लिखी पंक्तियां 'जेब कतरों से सावधान, अपना कीमती सामान आप खुद स्वयं सुरक्षित रखें' आजकल आम हो गई है। हम सबको एक नई शुरुआत करनी पड़ेगी। उज्जैन अवंतिका नगरी धार्मिक नगरी से यह आवाज उठे और उज्जैन के बड़े-बड़े धार्मिक स्थल है वहां के जिलाधीश, पुलिस कप्तान से आग्रह है कि सारे धार्मिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाएं, जहां लगे हुए हैं उन्हें चेक करवाएं, वहां पर प्रतिदिन धार्मिक श्रद्धालुओं की जेब कट रही है उन पर सख्ती से पुलिस प्रशासन द्वारा रोक लगाई जाए क्योंकि बाहर से आने वाले श्रध्दालु या फिर हम खुद स्वयं हमारी गाड़ी कमाई जेबकतरे उड़ा लेते हैं। मोबाइल उड़ा लेते हैं, बहुत से लोग तो शिकायत ही नहीं करते। बहुत से लोग तो बोलते भी नहीं है लेकिन कुछ लोग बोलने वाले होते हैं तो भी कई बार जेबकतरे नहीं पकड़ाते। प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से आग्रह है कि धार्मिक स्थलों पर एक अभियान चलाकर सादीवर्दी में ऐसे चोर गिरोह एवं जेब कट, मोबाइल चोरों को पकड़ा जाए। जेब कट, मोबाइल चोर और चैन चोर के बड़े-बड़े होर्डिंग्स शहर में लगाया जाए। ताकि आम नागरिकों को भी मालूम रहे कि यह व्यक्ति किस प्रकार का है और इससे हमें सतर्क रहना है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com